p>

Regarding problems of opium farmers in Chittorgarh constituency of Rajasthan.

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी (चित्तौड़गढ़) : सभापति महोदय, मैं अपने संसदीय क्षेत्र चित्तौड़गढ़ के उन किसानों के बारे में बोलना चाहता हूं, जिन्हें पिछले वर्ष भी बेमौसम मार की वजह से नुकसान हुआ था। मैं सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं कि सरकार ने एनडीआरएफ ने नियमों में बदलाव करते हुए, वहां के किसानों को करोड़ों रुपये की मदद की है। इस वर्ष भी बेमौसम बारिश और सर्दी के कारण, वहां के किसानों को बहुत नुकसान हुआ है। चाहे वह मेथी हो, लहसून हो या इसबगोल हो, ओला वृष्टि और बारिश के कारण वहां के किसानों को नुकसान हुआ है। मेरे संसदीय क्षेत्र में अफीम की खेती करने वाले भी बहुत किसान रहते हैं। मंसोर और राजस्थान के कई जिलों में अफीम की खेती होती है, जो हिन्दुस्तान में औषधियों के निर्माण के काम में आती हैं, जिनसे मार्फिन और कोडीन का निर्माण होता है। मैं उन किसानों का दर्द आपके सामने बयां करना चाहता हूं। वह निराई, ढुलाई और खुदाई का काम करते हैं और खेतों में पैसा भी लगाते हैं। लेकिन, जब वे बारिश के कारण अपना औसत भी पूरा नहीं कर पाते हैं तो वे नारकोटिक्स विभाग में जा कर आवेदन देते हैं कि मुझे अपनी फसल को नष्ट कराना है।

मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि उस खेती से ओपियम पैदा होता है, पॉपी सीड्स निकलता है और पॉपी हस्क भी निकलता है। उन किसानों को उनका पॉपी हस्क लेने दिया जाए ताकि उनका खाद और बीज का जो पैसा लगा है, उनकी मेहनत लगी है, वह निकल जाए क्योंकि किसान खेती करता है तो सोचता है कि मैं अपने बच्चों को पढ़ाऊंगा, लिखाऊंगा, मकान बनाऊंगा, कर्ज उतारूंगा। वह उस आशा के साथ खेती करता है। लेकिन बेमौसम बारिश या कम सर्दी के कारण उसकी फसल नष्ट हो जाती है। ऐसे में मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि उन किसानों को राहत दी जाए।

माननीय सभापति : श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, श्री भैरों प्रसाद मिश्र, कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री रामचरण बोहरा और डा. मनोज राजोरिया को श्री सी.पी. जोशी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।